सीखना बंद ना करें छात्र विकासशील हो प्रवृत्ति

आईआईएम के 14वें स्थापना दिवस में शामिल हुए शाओमी इंडिया के अध्यक्ष बी. मुरलीकृष्ण

रायपुर। बिजनेस की प्रकृति विकासशील होनी चाहिए। व्यापार में अब टेक्नोलॉजी को अंगीकृत कर लिया गया है। बेहतर है कि इसे स्वीकार करें। इसके साथ ही छात्रों को कभी भी सीखना बंद नहीं करना चाहिए। यह कहना था शाओमी इंडिया के अध्यक्ष बी. मुरलीकृष्णन का। वे आईआईएम के 14वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित समारोह में पहुंचे थे। उन्होंने अपने 26 वर्षों के कॉर्पोरेट अनुभव के आधार पर छात्रों को कई टिप्स दिए। स्थापना दिवस के मौके पर ना सिर्फ छात्रों के लिए प्रेरणादायी सत्र रखे गए, बल्कि कई सांस्कृतिक गतिविधियां भी हुईं। इस आयोजन में सांस्कृतिक समिति के छात्रों द्वारा एक रचनात्मक प्रस्तुति दी गई। इनमें आईआईएम की अब तक यात्रा को प्रदर्शित करते हुए संस्थान की उपलब्धियां गिनाई गईं। संस्थान के पिक्सल डिजिटल मीडिया क्लब ने संस्थान की विरासत और इसके विभिन्न आयोजनों को एक वीडियो के जरिए प्रस्तुत किया। एक विशिष्ट गजल की भी प्रस्तुति दी गई, जिसने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संकाय सदस्यों ने तैयार किया केस संग्रह

आईआईएम रायपुर में पिछले कई वर्षों से सेवा दे रहे अधिकारियों और कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया गया। पीएचडी छात्रों और पीजीपी 2022-24 बैच के छात्रों को उनके उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए मान्यता दी गई। इस दौरान आधिकारिक केस पोर्टल 'केस हाउस ऑफ आईआईएम' की लॉन्चिंग भी की गई है। निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने किया। निदेशक ने इस पोर्टल के बारे में बात करते हुए कहा, इसमें जो केस संग्रह है, उसे विभिन्न संकाय के सदस्यों ने संयोजित किया है। छात्रों के लिए क्राफ्ट मेकिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया था। इसमें भी छात्रों ने अपनी क्रिएटिविटी का परिचय दिया। भोजन उत्सव भी संकाय सदस्यों सहित विद्यार्थियों और आईआईएम स्टाफ के लिए रखा गया था।

Oct 12, 2023. Haribhumi Live, P.01